

गंगा माता की आरती

ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।

जो नर तुमको ध्याता, मन वांशित फल पाता ॥

॥ ॐ जय गंगे माता... ॥

चन्द्र सी ज्योत तुम्हारी, जल निर्मल आता ।

शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता ॥

॥ ॐ जय गंगे माता... ॥

पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता ।

कृपा दृष्टि हो तुम्हारी, त्रिभुवन सुखदाता ॥

॥ ॐ जय गंगे माता... ॥

एक बार ही जो तेरी, शरणागति आता ।

यम की त्रास मिटाकर, परम गति पाता ॥

॥ ॐ जय गंगे माता... ॥

आरती मात तुम्हारी, जो जान नित जाता ।

दास वाही सहज में, मुक्ति को पाता ॥

॥ ॐ जय गंगे माता... ॥

ॐ जय गंगे माता, श्री गंगे माता ।

जो नर तुमको ध्याता, मन वांशित फल पाता ॥

॥ ॐ जय गंगे माता... ॥